IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 2, December 2022
Impact Factor: 6.252

बालिका सशक्तिकरण में पारिवारिक वातावरण की भूमिका : एक विमर्श

रोहित कुमार (S.R.F.)[1] and डॉ. शोभिताअग्रवाल[2]

शोधार्थी, शिक्षाशास्त्र, Dayanand Women's Training College, Kanpur, Uttar Pradesh, India[1]

पूर्व प्राचार्या, शिक्षाशास्त्र, Dayanand Women's Training College, Kanpur, Uttar Pradesh, India[2]

सारांश: महिला अपने आप में संपूर्ण सृष्टि हैं। महिला के अंदर सृजन, पोषण, परिवर्तन आदि शक्तियां निहित हैं। भारतीय परिप्रेक्ष्य में जहां समाज पितृसत्तात्मक हैं। इन परिस्थितियों में एक बालिका के लिए उसके सामाजिक, शैक्षिक, मानसिक, बौद्धिक,भावात्मक मूल्यों में भेदभाव पुरुष संवर्ग द्वारा ही नहीं किया जाता हैं। परिवार से ही शुरू हुए इस लैंगिक भेदभाव से विवश आधी आबादी के जीवन स्तर को इस शोचनीय अवस्था में ला खड़ा किया हैं कि वे स्वयं में निहित अपनी क्षमताओं का उपयोग भी अपने जीवन के उत्थान के लिए न कर सके। इस संदर्भ में विवेकानन्द ने उचित ही कहा हैंकि-"स्त्रियों की दशा में सुधार ना होने तक विश्व का कल्याण उसी प्रकार असंभवहैंजिस प्रकार पक्षी का एक पंख से उड़ना।"बालिका सशक्तिकरण में सर्वप्रथम परिवार की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हैं। बालिकाओं के विकास हेतु परिवार व अच्छे पारिवारिक पर्यावरण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है परिवार सौहार्दपूर्ण पारिवारिक पर्यावरण ही बालिकाओं को बेहतर जीवन की ओर अग्रसर कर सकता है। परिवार में माता-पिता इस प्रकार का पर्यावरण बनाते है तथा बनाये रखते हैं जो उनके बालिकाओं के विकास में सहायक हो तथा उनके बालिकाओं का सर्वांगीण व संतुलित विकास कर सके। सौहार्दपूर्ण पारिवारिक वातावरण बालिका को बेहतर जीवन की ओर अग्रसर करता हैं।

संकेत शब्द: पारिवारिक वातावरण, पितृसत्तात्मकसमाज, भावात्मक मूल्य, बालिका सशक्तिकरण ।

संदर्भ सूची:

[1]. सुलेमान, मोहम्मद.मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियां, दिल्ली, मोतीलालबनारसीदास, 2005 ।

[2]. गुप्ता, एस.पी.अनुसंधान संदर्शिका, इलाहाबाद, शारदा पुस्तक भवन, 2011 ।

[3]. चैधरी,मंजू& कुमार.सुजीत.(2016)गृहवातावरण के सामाजिक एवं संवेगात्मक संदर्भ में अधिगम आदत के सम्बन्ध का अध्ययन.Published inInternational Research Journal of

Management Science & Technology; ISSN: 2250 – 1959 (Online); Volume: 7; Issue: 2; Page No. 84-92.

[4]. भारतीय, धर्मेन्द्र कुमार (2022). *महिला सशक्तिकरणऔर शिक्षा.* शिक्षा शोध मंथन, 8(1),162-165.

[5]. श्रीवास, डॉ0 सन्दीप कुमार एवं गुप्ता, डॉ0 मोनिका (2022). *परिवारिक वातावरण : प्रत्यय, आयाम एवं बालक के विकास में भूमिका.* शिक्षा शोध मंथन, 8(1),235-243.

[6]. www.eric.com

[7]. www.googlescholar.com

[8]. www.shodhganga.com